नई दिल्ली, शनिवार
6 अगस्त, 2022
गुरुग्राम
मूल्य ₹ 4.50
पृष्ठ 14+12=26

दैनिक जागरण

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

डीयू में अब स्नातकोत्तर की पढ़ाई भी हो जाएगी महंगी 3
टोक्यो पैरा ओलिंपिक के अधूरे सपने को अब पेरिस में जरूर करूंगा पूरा: सुधीर 4

रेपो रेट में वृद्धि को बताया सुधारात्मक कदम

यशलोक सिंह • गुरुग्राम

रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआइ) ने एक बार फिर रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि कर दी है। इसे लेकर रियल एस्टेट और उद्योग जगत के लोगों की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया आई है। इन सभी का कहना है कि ब्याज दरों में वृद्धि से उन्हें और ईएमआइ चुकाने वालों को झटके तो लगेंगे मगर यह एक सुधारवादी कदम है। वर्तमान वैश्विक वातावरण में आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक था। इस दृष्टि इस निर्णय की सराहना की जानी चाहिए। इससे अधिक चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है।

आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति ने मौद्रिक नीति की समीक्षा के बाद रेपो रेट को 4.9 से बढ़ाकर 5.4 प्रतिशत कर दिया है। आर्थिक मामलों के विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय देश उच्च मुद्रास्फीति के दौर से गुजर रहा है। इसकी जकड़ को ढीला करने और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए रेपो रेट में वृद्धि करना समय की मांग है।

पिछले लगभग चार माह में रेपो रेट में 1.4 प्रतिशत तक की वृद्धि आरबीआइ की ओर से की जा चुकी है। इनका कहना है कि आने वाले समय में इस मामले में आरबीआइ को और कड़े कदम उठाने पड़ सकते हैं।

रहेजा डेवलपर्स के नयन रहेजा का कहना है कि देश की अर्थव्यवस्था को ठीक रखने के लिए इस प्रकार का निर्णय जरूरी है। मुद्रास्फीति दर को नियंत्रित करने को आरबीआइ ने रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि करके उचित किया है। इससे रियल एस्टेट मार्केट को परेशानी होगी, मगर इसका लंबे समय तक प्रभाव नहीं रहने वाला है।

इस समय रियल एस्टेट क्षेत्र में मांग मजबूत है। मुद्रास्फीति की दर घटेगी तो इस सेक्टर को भी लाभ मिलेगा। उद्यमी मनोज जैन का कहना है कि औद्योगिक कर्ज पर इस बढ़े रेपो रेट का नकारात्मक असर पड़ेगा।

रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि की उम्मीद की जा रही थी।

डर सिर्फ इस बात का था कि इससे ब्याज दर बढ़ जाएगी और जो रियल एस्टेट की खरीदारी प्रभावित होगी। अब यह स्पष्ट है कि ब्याज दर में न्यूनतम वृद्धि होगी। जिस प्रकार से संपत्तियों की मांग है उससे रियल एस्टेट बाजार भविष्य में भी मजबूत बना रहेगा।

भरत कुमार, डायरेक्टर, स्पेज ग्रुप

आरबीआइ ने रेपो दर में 50 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि कर मुद्रास्फीति की

दरों को कम करने के लिए एक सुधारात्मक कार्रवाई की है। यह आर्थिक संभावनाओं को दृढ़ता प्रदान करने के लिए लिया गया एक प्रशंसनीय निर्णय है। रियल एस्टेट क्षेत्र पर इसका मामूली प्रभाव पड़ सकता है। इससे ग्राहकों के विश्वास पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

कुशाग्र अंसल, डायरेक्टर, अंसल हाउसिंग

रियल एस्टेट की दृष्टि से रेपो रेट में वृद्धि उचित कदम नहीं है। इस सेक्टर

को गतिमान बनाने के लिए होम लोन की ब्याज दरों में कमी की आशा की जा रही थी। अंतरराष्ट्रीय फाइनेंसियल बाजार की स्थिति के कारण मुद्रास्फीति का दबाव देश में बढ़ा है। ऐसे में रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने एक एहतियाती कदम उठाया है।

अंकित कंसल, मैनेजिंग डायरेक्टर, 360 रियल्टर्स